

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : Political science

Chapter : 3

Chapter Name : नियोजित विकास की राजनीति

Q1 बॉम्बे प्लान के बारे में इनमें से कौन सा कथन गलत है?

- (अ) यह भारत के आर्थिक भविष्य का एक ब्लू प्रिंट था।
- (ब) यह उद्योग के ऊपर राज्य-स्वामित्व का समर्थन करता था।
- (स) यह कुछ प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा बनाया गया था।
- (द) नियोजन के विचार का पुरजोर समर्थन किया गया।

Answer. (ब)

Page : 62 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 निम्नलिखित में से कौन सा विचार भारत की विकास नीति के शुरुआती चरण का हिस्सा नहीं था?

- (अ) नियोजन
- (ब) उदारीकरण
- (स) सहकारी खेती
- (द) आत्मनिर्भरता

Answer. (स)

Page : 62 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 भारत में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का विचार लिया गया था?

(अ) बॉम्बे योजना

(ब) सोवियत ब्लॉक देशों के अनुभव

(स) समाज की गांधीवादी दृष्टि

(द) किसान संगठन द्वारा मांग

(य) उपरोक्त सभी

Answer. (य)

Page : 62 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 स्वतंत्रता के समय विकास के प्रति दृष्टिकोण में प्रमुख अंतर क्या थे? क्या इन मतभेदों को सुलझा लिया गया?

Answer. आजादी के बाद हर कोई इस बात पर सहमत था कि भारत के विकास का अर्थ आर्थिक विकास और सामाजिक और आर्थिक न्याय दोनों होना चाहिए। इस बात पर सहमति हुई कि इस मामले को व्यापारियों और उद्योगपतियों और किसानों पर नहीं छोड़ा जा सकता है, कि सरकार को इसमें भूमिका निभानी चाहिए। आजादी की पूर्व संध्या पर, भारत के सामने आधुनिक विकास के दो मॉडल थे: उदारवादी पूंजीवादी मॉडल यूरोप और यू.एस. से और समाजवादी मॉडल सोवियत संघ के रूप में। एक व्यापक सहमति जो राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान विकसित हुई थी। राष्ट्रवादी नेताओं को स्पष्ट था कि स्वतंत्र भारत की सरकार की आर्थिक चिंताओं को औपनिवेशिक सरकार के संकीर्ण रूप से परिभाषित वाणिज्यिक कार्यों से अलग होना होगा। गरीबी उन्मूलन और सामाजिक और आर्थिक पुनर्वितरण का कार्य मुख्य रूप से सरकार की जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा था। उनके बीच बहसें हुईं।

Page : 63 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 प्रथम पंचवर्षीय योजना का प्रमुख जोर किस पर था? दूसरी पंचवर्षीय योजना किन तरीकों से पहले वाली से अलग थी?

Answer. जब दिसंबर, 1951 में पहली पंचवर्षीय योजना जारी हुई तो इसने देश में बहुत उत्साह पैदा किया। जीवन के सभी क्षेत्रों- शिक्षाविदों, पत्रकारिता, सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, उद्योगपतियों, किसानों, राजनेताओं आदि ने बड़े पैमाने पर इस पर चर्चा और बहस की। पहले साल की योजना ने अर्थव्यवस्था को गरीबी से

बाहर निकालने की कोशिश की। पहली पंचवर्षीय योजना ने मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र जिसमें बांधों और सिंचाई में निवेश शामिल है, को संबोधित किया। कृषि क्षेत्र विभाजन से सबसे ज्यादा प्रभावित था और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता थी। दूसरी पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों पर जोर दिया गया। इसे पी सी महालनबीस के नेतृत्व में अर्थशास्त्री और बैनर की एक टीम द्वारा तैयार किया गया था। यदि पहली योजना ने धैर्य का प्रचार किया था, तो दूसरा सभी संभावित दिशाओं में एक साथ परिवर्तन करके त्वरित संरचनात्मक परिवर्तन लाना चाहता था। इस योजना को अंतिम रूप दिए जाने से पहले, मद्रास शहर के निकट अवधी में आयोजित अपने सत्र में कांग्रेस पार्टी ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। यह घोषित किया कि समाजवादी समाजवाद इसका लक्ष्य था। यह द्वितीय वर्ष की योजना में देखा गया।

Page : 63 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 हरित क्रांति क्या थी? हरित क्रांति के दो सकारात्मक और दो नकारात्मक परिणाम बताएं।

Answer. खाद्य संकट की स्थिति थी, देश स्पष्ट रूप से बाहरी दबावों की चपेट में था और मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका से खाद्य सहायता पर निर्भर था। बदले में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी आर्थिक नीतियों को बदलने के लिए भारत को मजबूर किया। सरकार ने भोजन की पर्याप्तता सुनिश्चित करने के लिए कृषि के लिए एक नई खाद्य नीति अपनाई। पहले से पिछड़े क्षेत्रों और किसानों को अधिक समर्थन देने की नीति के बजाय, अब उन क्षेत्रों में अधिक संसाधन लगाने का निर्णय लिया गया, जिनमें पहले से ही सिंचाई थी और उन किसानों को जो पहले से ही अच्छी तरह से अमीर थे। सरकार ने उच्च उपज वाले विभिन्न प्रकार के बीज, उर्वरक, कीटनाशक और बेहतर सिंचाई की पेशकश की। यह वह शुरुआत थी जिसे 'हरित क्रांति' कहा जाता था। हरित क्रांति का सकारात्मक परिणाम यह है कि इसने भारत को एक खाद्य निर्यातक बना दिया, इसने एक दशक के भीतर उत्पादन को लगभग दोगुना कर दिया। इसका परिणाम से मध्यम किसान को पहचान मिली है। हरित क्रांति का नकारात्मक परिणाम यह है कि इसका लाभ छोटे किसानों के बजाय बड़े पैमाने पर धनी किसानों को हुआ। इसने गरीब और अमीर किसानों के बीच की खाई को भी और भी चौड़ा किया। इसने कीटनाशकों और उर्वरकों का उपयोग बढ़ाया जो मिट्टी के लिए हानिकारक था।

Page : 63 , Block Name : प्रश्नावली

Q7 दूसरी पंचवर्षीय योजना के समय औद्योगिकीकरण और कृषि विकास के बीच होने वाली बहस में मुख्य तर्क क्या थे?

Answer. जे.सी.कुमारप्पा जैसे गांधीवादी अर्थशास्त्रियों ने वैकल्पिक ब्लूप्रिंट के रूप में प्रस्ताव दिया जो ग्रामीण औद्योगिकीकरण पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है; चौधरी चरण सिंह, एक कांग्रेसी नेता, जो बाद में भारतीय लोक दल बनाने के लिए पार्टी से टूट गए, उन्होंने कृषि को भारत नियोजन के केंद्र में रखने के मामले को बलपूर्वक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योजना किसानों और ग्रामीण आबादी की कीमत पर शहरी और औद्योगिक खंड में समृद्धि के निर्माण के लिए अग्रणी थी। दूसरों ने सोचा कि औद्योगिक उत्पादन में भारी वृद्धि के बिना, गरीबी के चक्र से कोई बच नहीं सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय योजना में खाद्यान्न उत्पादन को बढ़ावा देने के

लिए एक कृषि रणनीति थी। राज्य ने गांवों में गरीबों के बीच भूमि सुधार और संसाधनों के वितरण के लिए कानून बनाए।

Page : 63 , Block Name : प्रश्नावली

Q8 'भारतीय नीति निर्माताओं ने अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका पर जोर देकर एक गलती की। यदि निजी क्षेत्र को शुरू से ही खुली अनुमति दी जाती तो भारत बहुत बेहतर विकसित हो सकता था।' इस प्रस्ताव के पक्ष या उसके खिलाफ तर्क दें।

Answer. पक्ष - भारतीय नीति निर्माताओं को शुरू से ही निजी क्षेत्र को खुले अधिकार देने चाहिए थे जो उद्योगपति के लिए भी फायदेमंद होता, जो भारत में निवेश करना चाहते थे, लेकिन इतनी सीमाओं के साथ वे ऐसा करने में सक्षम नहीं थे। आज की तरह हम TTA, BIRLA, AMBANI जैसे बड़े उद्योगपति देखते हैं, जिन्होंने निजी क्षेत्र में निवेश किया और खुद के लिए और देश के लिए भी भारी मुनाफा कमाया।

विपक्ष - भारतीय नीति निर्माताओं ने गलती नहीं की क्योंकि निजी क्षेत्र और बड़े उद्योगपति हमेशा राष्ट्रीय हित के बजाय अपने लाभ के बारे में सोचते हैं। इसलिए खुले अधिकार देने से देश के लिए भ्रष्टाचार और गरीबी पैदा हो सकती थी। राज्य की भूमिका उस समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब भारत को सिर्फ स्वतंत्रता मिली थी।

Page : 63 , Block Name : प्रश्नावली